मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 11

PGDT-03

अनुवाद में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

(पी.जी.डी.टी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2022

पी.जी.डी.टी.-03 : व्यावहारिक अनुवाद के विविध स्तर और क्षेत्र

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

---

1. "अनुवाद करते समय स्रोत भाषा की वाक्य संरचना का अनुकरण करना आवश्यक नहीं है।" अंग्रेजी और हिन्दी की वाक्य रचना के सन्दर्भ में इस कथन की व्याख्या कीजिए। 20

अथवा

सारानुवाद से क्या अभिप्राय है ? सारानुवाद के विभिन्न प्रयोग क्षेत्रों की चर्चा कीजिए।

P. T. O.

2. (क) निम्नलिखित वाक्यों का अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए : 10

(i) गंगा सिर्फ नदी नहीं, भारतीय संस्कृति की जीवनधारा है।

(ii) इंटरनेट पर साम्राज्य स्थापित करने के कुछ कम्पनियों के प्रयास को सरकार स्वीकार नहीं करेगी।

(iii) जिला पुलिस की ओर से सरकारी शैक्षिक संस्थान में आयोजित रोजगार मेले में 375 युवाओं को रोजगार मिला।

(iv) विनिर्माण क्षेत्र को आत्मनिर्भर बनाने के लिए भारत सरकार ने इलेक्ट्रॉनिक पुर्जे, दवा निर्माण, रसायन निर्माण, जैव-प्रौद्योगिकी और चिकित्सा उपकरण आदि 24 क्षेत्रों की पहचान की है।

(v) जलवायु परिवर्तन के कारण सूखा, बाढ़, मिट्टी में सामान्य से अधिक लवणता आदि के कारण पौधों के बीमार पड़ने और उनकी प्रतिरक्षण प्रणाली पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभाव 'अजैविक तनाव' कहलाते हैं।

(ख) निम्नलिखित वाक्यों का हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 10

(i) A culture of prevention is required in the mining industry as a value-driven commitment.

(ii) An appropriate authority is to be established shortly to monitor the implementation of environment related laws.

(iii) A driving licence is an official document certifying that the holder is suitably qualified to drive a motor vehicle.

(iv) A creative mind-set combined with positive attitude can help unearth solutions to social problems like malnutrition, drinking water and health care etc.

(v) The Delhi High Court has said the 'cogent (प्रभावशाली) reasons' have to be given for denying information under RTI.

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** का हिन्दी अनुवाद कीजिए : प्रत्येक 15

(क) Education in its wider sense is the process of development from birth to death. In this sense, education is a life-long process and includes all knowledge, experience, skills and attitudes. Thus, all experiences in life become educative in nature and the process of education continues in all personal and social situations. Education in this sense would

certainly include values, attitudes and skills that the society desires to be imparted to the children. In contrast, schooling is an act of consciously imparting values, knowledge and skills in accordance with the requirements in a formal situation. Schools also impart deliberate and systematic training in specialized subject areas that may not be otherwise gained through the process of living and experiencing by individuals.

(ख) India has the fifth largest power generation capacity in the world and its current renewable energy includes wind power and solar power. Renewable energy contributes around 15% of the total installed capacity in the country. Overall renewable energy capacity addition target has been set from solar energy, wind energy and remaining from other non-conventional energies. With this, India

will become one of the largest green energy producers in the world. The National Mission is aimed to promote the development and use of solar energy for power generation. The plan includes specific goals for increasing the use of solar thermal technologies in urban areas, industry and commercial establishment. Establishment of 'Solar Research Centre', increased international collaboration on technology development and increased government funding and international support.

(ग) No doubt, modern human societies today face problems that threaten the very survival of human race. The nature of these problems is so serious that societies have been compelled to find either a full or partial solution to these through their

educational programme. Environmental pollution, greenhouse effect, spread of dreaded diseases like AIDS, population explosion and easy availability of weapons of mass destruction are only a few examples. Consequently, the educational aims in our societies have to be shaped in such a manner, that the process of education can cater to these pressing problems and needs of humanity. Nowadays there is a lot of talk of educating children and even adults for protection of environment, for international understanding, peace and human rights, and for developing a rational attitude towards population problems.

(घ) It is ironic that while searching for models that promote excellence, we have

not made the outstanding teachers and researchers the hub of future reforms. The fact that in any field of social investigation or higher education, the top few ranks are always occupied by public institutions has not influenced the advocacy for private institution in the name of improving quality. Having achieved quality, public institutions need to be supported. The roadmap for educational innovations looks at the initiatives taken at the level of students and faculty. The concept of faculty governance has been diluted in many institutions of higher learning. The bureaucratic structures exhaust a lot of energy of the students as well as faculty. Time has come to relook the education-system including design and development of course–structure, method of imparting education etc.

4. निम्नलिखित में से किसी **एक** का अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए : 15

(क) कोरोना महामारी के कारण हर क्षेत्र में कुछ न कुछ समाधान निकालने पड़े हैं। इसी कड़ी में शिक्षा क्षेत्र में ऑनलाइन शिक्षा जैसा माध्यम अपनाना पड़ा। चूँकि 'आत्मनिर्भर भारत' की बड़ी योजना का महत्वपूर्ण पक्ष शिक्षा से जुड़ा हुआ है और हमारे देश की एक बड़ी युवा आबादी भी है, इसलिए ऑनलाइन शिक्षा जैसे विकल्प की तलाश करना बहुत जरूरी था। प्रौद्योगिकी पर आधारित शिक्षा का यह विकल्प, संसाधन और इच्छाशक्ति दोनों की माँग करता है और भारत ने इन दोनों ही मोर्चों पर अच्छा प्रदर्शन किया है। ऑनलाइन शिक्षा में नामांकन विद्यार्थियों की अपनी इच्छा के आधार पर होता है। भारत में

उच्च शिक्षण संस्थाओं में नामांकित विद्यार्थियों की संख्या कई यूरोपीय देशों की कुल जनसंख्या से भी अधिक है। अतः भारत में ऑनलाइन शिक्षा को बढ़ावा देने की आवश्यकता है।

अथवा

(ख) भारत का संविधान केवल एक विधि दस्तावेज नहीं है, बल्कि यह एक ऐसा महत्वपूर्ण साधन है जो समाज के सभी वर्गों की स्वतंत्रता को संरक्षित करता है। यह जाति, वंश, लिंग, क्षेत्र, पंथ या भाषा के आधार पर भेदभाव किए बिना प्रत्येक नागरिक को समता का अधिकार देता है। इसमें सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक लोकतंत्र के लिए एक संरचना तैयार की गई है। संविधान बताता है कि हमारे दूरदर्शी संविधान निर्माताओं का भारतीय राष्ट्रवाद में अमिट विश्वास था। इस

संविधान का अनुपालन करते हुए देश ने अनेक उपलब्धियाँ हासिल की हैं। विश्व का सबसे बड़ा और सफल लोकतंत्र होने का गौरव हमें प्राप्त है। मतदाताओं की बड़ी संख्या और निरंतर चुनावों के बावजूद हमारा लोकतंत्र कभी अस्थिरता का शिकार नहीं हुआ। बल्कि, चुनावों के सफल आयोजन से हमारे संसदीय लोकतंत्र ने समय की कसौटी पर स्वयं को सिद्ध किया है। भारतीय लोकतंत्र ने विश्व को दिखाया है कि राजनीतिक शक्ति का शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से हस्तांतरण किस प्रकार किया जाता है।